महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में महिलाओं की भागीदारी

(छत्तीसगढ़ में रायपुर संभाग के विषेश संदर्भ में)

डॉ. सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य),
दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

डॉ. सुरेश कुमार जैन
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य),
आदर्श महाविद्यालय,रायपुर(छ.ग.)

प्रस्तावना

महात्मा गांधी राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना एक ग्रामीण विकास योजना है। इस योजना को विष्व का सबसे व्यापक रोजगार कार्यक्रम माना जाता है। इस योजना के लागू होने से गाँवों का विकास हुआ है तथा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। इस योजना से ग्रामीण क्षेत्र की बेरोजगारी को दूर करने में सरकार को काफी सफलता प्राप्त हुई है ।

महिलाओं को रोजगार की उपलब्धता

मनरेगा योजना के लागू होने से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को बहुत बड़ी मात्रा में रोजगार उपलब्ध हुआ है। मनरेगा योजना के लागू होने के पूर्व पूरा परिवार पुरूश वर्ग की कमाई पर निर्भर रहता था, परन्तु मनरेगा अधिनियम के अन्तर्गत महिलाओं के लिए एक तिहाई भागीदारी निष्चित होने से तथा मनरेगा में महिलाओं को उनके ही गाँव में रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान होने के कारण इस योजना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। पहले गाँवों की महिलाएं घर से बाहर नहीं जाती थी उनका कार्य केवल अपने ही खेत में बारिष के मौसम में खेती किसानी तक ही सीमित था, लेकिन मनरेगा में महिलाओं के कार्य करने से ग्रामीण क्षेत्र के रोजगार में वृद्धि हुई है।

कार्यस्थल पर बच्चों के लिए सुविधा

मनरेगा के अन्तर्गत उन महिलाओं के लिए जिनके बच्चे 6 वर्श से कम उम्र के है और वे उन बच्चों को कार्य स्थल पर अपने साथ लेकर जाती है तथा कार्य स्थल पर कुल बच्चों की संख्या 5 से अधिक है तो ऐसे बच्चों की देखभाल के लिए कार्य स्थल पर एक महिला श्रमिक की नियुक्ति की जाती है, तथा बच्चों के लिए झूले इत्यादि की भी व्यवस्था की जाती है ताकि वह महिला श्रमिक निष्चित होकर अपने कार्य में ध्यान दे सके। यदि मनरेगा में छोटे बच्चों के लिए कार्य स्थल पर यह व्यवस्था नही की जाती है तो मनरेगा में कार्य करने वाली महिलाओं की संख्या में कमी आ सकती है।

मनरेगा के अन्तर्गत रायपुर संभाग के पांचों जिलों में विगत 10 वर्शों में महिलाओं की भागीदारी का तालिका द्वारा विष्लेशण

1. बलोदाबाजार जिले में महिलाओं की भागीदारी

वर्श	कुल कार्य दिवस (लाखों में)	महिलाओं के कार्य दिवस (लाखों में)	कुल कार्य दिवस में महिलाओं की भागीदारी का प्रतिषत
2006—12	—	—	—
2012—13	55.11	27.80	50.44
2013—14	56.96	29.57	51.91
2014—15	40.08	20.40	50.90
2015—16	32.98	16.87	51.15

स्रोत : दतमहंण्दपबण्पदऋकउनणेंचग

बलोदाबाजार जिले का क्षेत्र वर्श 2012 के पूर्व रायपुर जिले में षामिल था, अतः मनरेगा में इस जिले का अलग से विष्लेशण वर्श 2012—13 से किया गया है। उपरोक्त तालिका के अनुसार बलोदाबाजार जिले में वर्श 2012—13 में मनरेगा के अन्तर्गत कुल कार्य दिवस 55.11 लाख में से 27.80 लाख कार्य दिवस महिलाओं के थे अर्थात मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी वर्श 2012—13 में 50.44 प्रतिषत थी। वर्श 2015—16 में बलोदाबाजार जिले में कुल कार्य दिवस 32.98 लाख थे, जिसमें से महिलाओं के कार्य दिवस 16.87 लाख थे, जो कि कुल कार्य दिवस का 51.15 प्रतिषत है। बलोदाबाजार जिले में मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी निर्धारित न्यूनतम सीमा एक तिहाई से कहीं अधिक है।

2. धमतरी जिले में महिलाओं की भागीदारी

वर्श	कुल कार्य दिवस (लाखों में)	महिलाओं के कार्य दिवस (लाखों में)	कुल कार्य दिवस में महिलाओं की भागीदारी का प्रतिषत
2006–07	46.36	16.87	36.39
2007–08	59.09	17.74	30.02
2008–09	48.53	24.73	50.96
2009–10	45.34	23.57	51.99
2010–11	50.60	26.31	52.00
2011–12	54.91	26.34	47.97
2012–13	53.04	26.17	49.34
2013–14	61.37	31.92	52.01
2014–15	38.24	19.98	52.25
2015–16	54.89	28.44	51.81

स्रोत : दतमहंण्दपबण्पदक्रकउनण्ेंचग

उपरोक्त तालिका के अनुसार धमतरी जिले में वर्श 2006–07 में कुल कार्य दिवस 46.36 लाख थे जिसमें से 16.87 लाख कार्य दिवस महिलाओं के थे अर्थात धमतरी जिले में मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी वर्श 2006–07 में 36.39 प्रतिषत थी। वर्श 2007–08 में महिलाओं की भागीदारी धमतरी जिले में 30.02 प्रतिषत थी, जो कि एक तिहाई से भी कम है, परन्तु वर्श 2015–16 में यह प्रतिषत बढ़कर 51. 81 हो गया है।

3. गरियाबंद जिले में महिलाओं की भागीदारी

वर्श	कुल कार्य दिवस (लाखों में)	महिलाओं के कार्य दिवस (लाखों में)	कुल कार्य दिवस में महिलाओं की भागीदारी का प्रतिषत
2006–12	–	–	–
2012–13	54.60	26.88	49.23
2013–14	54.20	27.26	50.30
2014–15	28.36	14.32	50.49
2015–16	59.39	29.52	49.71

स्रोत : दतमहंण्दपबण्पदक्रकउनण्ेंचग

गरियाबंद जिले का क्षेत्र वर्श 2012 के पूर्व रायपुर जिले में षामिल था, अतः मनरेगा में इस जिले का अलग से विष्लेशण वर्श 2012–13 से किया गया है। उपरोक्त तालिका के अनुसार गरियाबंद जिले में वर्श 2012–13 में कुल कार्य दिवस 54.60 लाख थे, जिसमें से 26.88 लाख कार्य दिवस महिलाओं के थे अर्थात महिलाओं की भागीदारी 2012–13 में 49.23 प्रतिषत थी। वर्श 2015–16 में गरियाबंद जिले में कुल कार्य दिवस 59.39 लाख थे, जिसमें से महिलाओं के कार्य दिवस 29.52 लाख अर्थात 49.71 प्रतिषत थे। गरियाबंद जिले में महिलाओं की सर्वाधिक भागीदारी वर्श 2014–15 में 50.49 प्रतिषत थी।

4. महासमुन्द जिले में महिलाओं की भागीदारी

वर्श	कुल कार्य दिवस (लाखों में)	महिलाओं के कार्य दिवस (लाखों में)	कुल कार्य दिवस में महिलाओं की भागीदारी का प्रतिषत
2006–07	–	–	–
2007–08	46.47	18.66	40.15
2008–09	70.12	33.66	48.00
2009–10	73.70	35.59	48.29
2010–11	70.86	32.24	45.50
2011–12	76.21	35.43	46.49
2012–13	48.16	22.49	46.70
2013–14	61.58	30.17	48.99
2014–15	25.99	12.54	48.25
2015–16	39.62	19.13	48.28

स्रोत : दतमहंण्दपबण्पदऋकउनण्ेंचग

उपरोक्त तालिका के अनुसार महासमुन्द जिले में वर्श 2007–08 में कुल कार्य दिवस 46.47 लाख थे, जिसमें से 18.66 लाख कार्य दिवस महिलाओं के थे अर्थात महासमुन्द जिले में मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी वर्श 2007–08 में 40.15 प्रतिषत थी। वर्श 2015–16 में महासमुन्द में कुल कार्य दिवस 39.62 लाख थे, जिसमें से महिलाओं के कार्य दिवस 19.13 लाख अर्थात 48.28 प्रतिषत थे। महासमुन्द जिले में महिलाओं के सर्वाधिक कार्य दिवस वर्श 2011–12 में 35.43 लाख थे। महासमुन्द जिले में मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी निर्धारित न्यूनतम सीमा एक तिहाई से कहीं अधिक है।

5. रायपुर जिले में महिलाओं की भागीदारी

वर्श	कुल कार्य दिवस (लाखों में)	महिलाओं के कार्य दिवस (लाखों में)	कुल कार्य दिवस में महिलाओं की भागीदारी का प्रतिषत
2006–07	–	–	–
2007–08	93.85	31.01	33.05
2008–09	115.09	55.25	48.01
2009–10	124.72	69.91	56.05
2010–11	137.91	73.10	53.01
2011–12	142.79	70.86	49.63
2012–13	40.05	21.78	54.38
2013–14	41.24	23.94	58.05
2014–15	25.38	14.48	57.05
2015–16	28.28	16.26	57.50

स्रोत : दतमहंण्दपबण्पदऋकउनण्ेंचग

उपरोक्त तालिका के अनुसार रायपुर जिले में वर्श 2007–08 में कुल कार्य दिवस 93.85 लाख थे, जिसमें से महिलाओं के कार्य दिवस 31.01 लाख थे जो कुल कार्य दिवस का 33.05 प्रतिषत था, परन्तु 2015–16 में यह प्रतिषत बढ़कर 57.50 हो गया जो महिलाओं की भागीदारी के लिए निर्धारित न्यूनतम सीमा से कहीं अधिक है अर्थात रायपुर जिले में मनरेगा के अन्तर्गत महिलाओं के भागीदारी में वृद्धि हुई है।

मनरेगा में महिलाओं के कार्य करने से ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों की आय में अतिरिक्त वृद्धि हुई है, जिससे उनकी क्रय षक्ति भी बढ़ी है। महिलाएं मनरेगा से अपनी आय का हिस्सा परिवार के संचालन के अलावा बच्चों की षिक्षा पर भी व्यय करने लगी है, जिसके कारण गाँवों में षिक्षित व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि हुई है। मनरेगा की आय से महिलाएं अपनी आय में भी बचत करने लगी है। षोधार्थी द्वारा रायपुर संभाग के पांचों जिलों में किये गये षोध कार्य में लगभग 84.5 प्रतिषत हितग्राहियों का कहना है कि मनरेगा में महिलाओं के कार्य करने से उनके परिवार की आय में वृद्धि हुई है। मनरेगा में महिलाओं के कार्य करने से गाँवों में सामाजिक बदलाव देखने को मिला है, उनकी सोच में परिवर्तन हुआ है तथा उनके आर्थिक स्तर में पहले से कुछ सुधार हुआ है।

उपरोक्त अध्ययन से स्पश्ट है कि रायपुर संभाग के प्रत्येक जिले में मनरेगा के अन्तगर्त महिलाओं की भागीदारी औसतन 50 प्रतिषत है, जो न्यूनतम निर्धारित सीमा एक तिहाई से कहीं अधिक है अर्थात सम्पूर्ण रायपुर संभाग में मनरेगा के अन्तर्गत महिलाओं के रोजगार में वृद्धि हुई है अर्थात यह कहा जा सकता है कि मनरेगा योजना में महिलाओं का योगदान बहुत अच्छा रहा है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- दतमहंण्दपबण्पद
- ादवूसमकहमण्दतमहंण्दमज
- दतमहंण्दमज
- उहदतमहंण्बहण्हवअण्पद
- दतमहंण्दपबण्पदऋकउनण्ेंचग
- महात्मा गांधी राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का विष्लेशणात्मक अध्ययन (रायपुर संभाग में दलित वर्ग के विषेश संदर्भ में), डॉ. सुरेष कुमार जैन, डॉ. सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल
- ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, "महात्मा गांधी नरेगा समीक्षा", ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2012
- महात्मा गांधी राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 दिषा–निर्देष 2013 चौथा संस्करण

.....